

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. निम्नांकित कुण्डली के लिए सूर्य तथा बृहस्पति का प्रस्तारक तथा निम्नाष्टक वर्ग बनायें:-
जन्म 02 जुलाई 1963, 22:55 बजे, अमृतसर, बृहस्पति शेष 04 वर्ष 10 माह 10 दिन
लग्न-कुम्भ 16:21, सूर्य-मिथुन 16:46, चन्द्र-तुला 29:17, मंगल-सिंह 22:23, बुध-मिथुन 03:52, बृहस्पति-मीन 23:53, शुक्र-मिथुन 00:52, शनि(व)-मकर 29:05, राहु-मिथुन 27:08, केतु-धनु 27:08
2. अष्टकवर्ग से आप क्या समझते हैं? इस विशिष्ट पद्धति का उपयोग कहाँ कहाँ पर किया जाता है?
3. (क) निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य उत्तर दें।
(अ) पहले एकाधिपत्य शोधन किया जाता है, तत्पश्चात् त्रिकोण शोधन करते हैं।
(आ) त्रिकोण शोधन में त्रिकोणिय समूह के बिन्दु असमान होने पर अधिकतम को तीनों से घटाया जाता है।
(इ) एकाधिपत्य शोधन में ग्रह स्वामी की दोनों राशियों में ग्रह पड़ने पर शोधन की आवश्यकता नहीं होती।
(ई) त्रिकोण शोधन में त्रिकोणिय समूह पर बिन्दु समान होने पर शोधन की आवश्यकता नहीं होती।
(उ) एकाधिपत्य शोधन में यदि दोनों राशियों में कोई ग्रह नहीं है तथा बिन्दुओं के असमान होने पर बड़े वाले को छोटे के बराबर कर देते हैं।
(ख) कक्षा से आप क्या समझते हैं? इसके क्या उपयोग हैं?
4. निम्नांकित जन्मांक के सर्वाष्टक बिन्दु इस प्रकार हैं :-
जन्म 04 मार्च 1961, समय 08:07 बजे, स्थान-कलकत्ता, सूर्य शेष-01वर्ष 02मा 12दि
लग्न-कुम्भ 01:52, सूर्य-कुम्भ 19:59, चन्द्र-कन्या 07:20, मंगल-मिथुन 10:23, बुध(व)-कुम्भ 01:29, बृहस्पति-मकर 04:34, शुक्र-मेष 00:49, शनि-मकर 03:11, राहु-सिंह 12:56, केतु-कुम्भ 12:56
सर्वाष्टक (i)-30, (ii)-22, (iii)-30, (iv)-34, (v)-23, (vi)-30, (vii)-24, (viii)-36, (ix)-30, (x)-25, (xi)-32, (xii)-21
उपरोक्त सर्वाष्टक के आधार पर इन प्रश्नों का उत्तर दें :-
(क) उपरोक्त जातक की कौन सी अवस्था सुखमय होगी? (बाल अवस्था, युवावस्था, वृद्धावस्था)
(ख) लगभग किस आयु में जातक शनि के दुष्प्रभाव के परिणाम स्वरूप जीवन की कठिनाईयों का सामना करेगा।
(ग) आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा या कम होगा?

(घ) क्या परिश्रम की तुलना में जातक की आय सही है?

(ङ) जातक अथवा पत्नी, किसका वर्चस्व होगा?

5. अष्टक वर्ग का निर्माण राशि कुण्डली के आधार पर करना चाहिए या भाव कुण्डली? व्याख्या करें।

भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

(क) प्रश्न ज्योतिष के क्या सिद्धान्त हैं?

(ख) क्या प्रश्न कुण्डली और जन्म कुण्डली में कोई संबंध है?

(ग) प्रश्न कुण्डली में लग्न राशि की गतिशीलता का क्या महत्व है?

(घ) क्या प्रश्न कुण्डली पर ही आश्रित रहा जा सकता है? प्रश्न कुण्डली का अध्ययन करना आवश्यक क्यों है?

7. प्रश्न ज्योतिष के अनुरूप निम्न प्रश्नों का उपयुक्त तथा अनुपयुक्त दोनों ग्रह स्थितियों के योग का वर्णन करें :-

(क) क्या इसी वर्ष विवाह हो सकता है?

(ख) क्या इसी वर्ष विदेश भ्रमण होगा?

(ग) क्या इसी वर्ष कार का मालिक बनेगा?

(घ) क्या इसी वर्ष निवास स्थान बदलेगा?

(ङ) क्या इसी वर्ष नौकरी में पदोन्नति होगी?

8. (क) दिनांक 06 जून 2011 को सांय 05:30 बजे दिल्ली से किसी प्रश्नकर्ता ने ज्योतिषी से पूछा कि उसके पदोन्नति का मामला विचाराधीन है परन्तु उसे विरोधों का भी सामना करना पड़ रहा है। वह जानना चाहता है, कि क्या उसकी पदोन्नति होगी? यदि हाँ तो इसमें कितना वक्त लगेगा?

प्रश्न कुण्डली इस प्रकार है -

लग्न-तुला 29:30, सूर्य-वृषभ 21:26, चंद्र-कर्क 17:50, मंगल-मेष 25:25, बुध-वृषभ 13:33, बृहस्पति-मेष 06:22, शुक्र-वृषभ 02:12, शनि(व)-कन्या 16:28, राहु-वृश्चिक 29:25, केतु-वृषभ 29:25

(ख) ज्योतिष के प्रश्न शास्त्र की सीमाओं का वर्णन करें।

9. (क) प्रश्न ज्योतिष में प्रश्न की असफलता का विस्तार से वर्णन करें।

(ख) क्या अगले शुक्रवार को फैसला होने वाले दीवानी मुकदमें में मेरी जीत होगी? इस प्रश्न को दिल्ली से दिनांक 08 अगस्त 2011 को प्रातः 11.00 बजे पूछा गया। कारण बताते हुए इस प्रश्न का उत्तर दें। प्रश्न कुण्डली इस प्रकार है :-

लग्न-कन्या 28:53, सूर्य-कर्क 21:20, चंद्र-वृश्चिक 14:03, मंगल-मिथुन 09:12, बुध(व)-सिंह 06:03, बृहस्पति मेष 15:32, शुक्र-कर्क 09:03, शनि-कन्या 18:54, राहु-वृश्चिक 28:10, केतु-वृषभ 28:10

10. एक उदाहरण देते हुए प्रश्न ज्योतिष में निम्नलिखित योगों की व्याख्या करें।

1. कम्बूल योग

2. मणऊ योग

3. राशियांत इत्थसाल योग

4. रद्द योग